साउथ सूडान से भारत आने वाले संसदीय शिष्टमंडल के सदस्यों के सम्मान में आयोजित भोज में माननीय अध्यक्ष का भाषण

मैं भारत की जनता, संसद और अपनी ओर से महामहिम सुश्री जेम्मा नुनु कुम्बा और दक्षिण सूडान के संसदीय शिष्टमंडल के अन्य गणमान्य सदस्यों का भारत में हार्दिक स्वागत करता हूँ। मेरा मानना है कि आपके इस दौरे से हमारे द्विपक्षीय संबंधों को एक नई ऊर्जा मिलेगी। मैं आशा करता हूँ कि भारत में आपका प्रवास सुखदरहा होगा।

महामहिम, भारत के दक्षिण सूडान के साथ वर्षों पुराने संबंध हैं। भारत दक्षिण सूडान को स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में सबसे पहले मान्यता प्रदान करने वाले देशों में से एक था।

महामहिम, मुझे आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि दक्षिण सूडान हमारे फ़्लैगशिप क्षमता निर्माण कार्यक्रम का एक प्रमुख भागीदार रहा है। मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि इस कार्यक्रम के तहत एक महिला राजनयिक आपके देश में भारत से प्रशिक्षण प्राप्त कर पहली योग शिक्षक बन गई हैं।

सम्पूर्ण विश्व मे श्रेष्ठ लोकतांत्रिक परंपराओं के प्रशिक्षण और उनके प्रचार-प्रसार के लिए भारतीय संसद की संसदीय लोकतंत्र शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (**प्राइड**) सांसदो, नीति निर्माताओं, लोक सेवकों और अन्य के लिए प्रबोधन और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करता है।हम चाहेंगे कि भविष्य में इस क्षेत्र में दक्षिण सूडान के साथ हमारे संबंधों में और बढ़ोतरी हो।

महामहिम, वर्ष 2018 के संशोधित शांति समझौते के तहत, भारत स्थायी रूप से शांति स्थापित करने के लिए साउथ सूडान द्वारा किए जा रहे प्रयासों में हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है। दोनों देशों के बीच विविध क्षेत्रों विशेष रूप से कृषि, स्वास्थ्य और शिक्षा में सहयोग

बढ़ाने की असीम संभावनाएं हैं। साउथ सूडान की आवश्यकताओं के अनुसार भारत विभिन्न क्षेत्रों में आवश्यक कौशल और विशेषज्ञता उपलब्ध करा सकता है।

हम साउथ सूडान के लोगों को प्रभावी, विश्वस्तरीय और सस्ती स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मुझे उम्मीद है कि अधिक से अधिक लोग इलाज के लिए भारत आ सकेंगे।

भारत और साउथ सूडान के बीच लंबे समय से सांस्कृतिक संबंध रहे हैं। मुझे यह जानकर बहुत ख़ुशी हुई है कि साउथ सूडान में भले ही भारतीय समुदाय के लोगों की संख्या कम है लेकिन यहाँ रह रहे भारतीयों ने साउथ सूडान की प्रगति और समृद्धि में अपना योगदान देकर अपनी प्रभावी उपस्थिति दर्ज कराई है।

साथियो, संसदीय शिष्टमंडलों के आदान-प्रदान से दोनों देशों के लोगों के बीच आपसी संपर्क को बढ़ावा मिलेगा। लोगों के बीच आपसी समझ को बढ़ावा देने में, हम सांसदों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है। आपकी इस यात्रा से, भारत-साउथ सूडान के बीच संसदीय शिष्टमंडलों के आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलेगा। मैं आशा करता हूँ कि हमारी मित्रता और आपसी सहयोग में निरंतर वृद्धि होगी।

हमारी द्विपक्षीय संबंधों और पारस्परिक व्यापारिक साझेदारी की पूर्ण क्षमता का उपयोग करने के लिए हमारे द्विपक्षीय संसदीय दौरों के महत्व को ध्यान में रखते हुए मैं आपके सक्रिय सहयोग के लिए आभारी हूँ।

देवियो और सज्जनो, आइए हम सभी महामहिम श्रीमती जेम्मा नुनु कुम्बा और साउथ सूडान के संसदीय शिष्टमंडल के अन्य माननीय सदस्यों और भारत तथा साउथ सूडान के लोगों के स्वास्थ्य और समृद्धि तथा इन दोनों देशों के बीच लंबे समय से चली आ रही मित्रता के और अधिक प्रगाढ़ होने की कामना करें।